5th Biennial Competition, Regulation and Development Conference

Fostering Innovation for Sustainable Development

Revisiting Intellectual Property Rights and Competition from the lens of Optimal Regulation

09-11 November, 2017
Hotel Clarks Amer Jaipur, India

प्रेस विज्ञप्ति

" न्यायोचित आर्थिक विकास के लिए प्रतिस्पर्धा की रक्षा आवश्यक है, प्रतिस्पर्धियों का नहीं" गीता गौरी, पूर्व सदस्य, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

10 नवम्बर २०१७ | जयपुर

दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा आयोग एवं दूरसंचार नियामक में चल रहे विवाद का उल्लेख करते हुए गीता गौरी ने उपरोक्त विचार रखे| वह कट्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संमेलन के में वक्ता थी| यह द्वी-वार्षिकीय संमेलन कट्स इंटरनेशनल, जयपुर, द्वारा आयोजित संमेलनों में पांचवां है। पहला सम्मेलन दिल्ली में मार्च २००७ में आयोजित किया गया था और आखिरी दिसंबर २०१५ में नैरोबी, केन्या में आयोजित किया गया था। इस पांचवें द्विवार्षिक सम्मेलन का विषय सतत विकास के लिए नयी खोज और सोच को बढ़ावा देना है।

आज इस सम्मलेन का दूसरा दिन था| कल इस सम्मलेन के उद्घाटन समारोह में व्यापार, प्रतिस्पर्धा, नियमन और विकास पर नए विचारों के महत्व पर जोर देते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने इस संबंध में कट्स की भूमिका की प्रशंसा की। अपने स्वागत सम्बोधन में प्रदीप एस मेहता, महासचिव, कट्स इंटरनेशनल, ने बताया कि इस द्विवार्षिक श्रृंखला का विचार उभरती अर्थव्यवस्थाओ में नियामक विफलताओं और कमजोर संस्थागत क्षमताओं को उजागर करने और इन कमियों को दूर करने के लिए किया गया था|

सम्मलेन में दुसरे दिन के अन्य वक्ताओं में एलन अशर, कीथ मसकस, शमनाद बशीर, डेरेक रित्ज़मैन, किरण मीतेरभान, एवं अन्य प्रतिस्पर्धा और बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में विशेषज्ञ शामिल थे| इन वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए जताया की बौद्धिक सम्पदा और प्रतिस्पर्धा न्यायोचित आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है| हलाकि, बौद्धिक सम्पदा के उभरते हुए विषयो से निपटने के लिए संस्थागन क्षमताओं को बढ़ाना ज़रूरी है| साथ ही, प्रतिस्पर्धा और बौद्धिक सम्पदा की नीतियों का सामंजस्य जरुरी है| सम्मलेन में तकरीबन १०० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया|

****